विषय- संस्कृत(स्नातक स्तर)

Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी ।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी ।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे ।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे ।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने-समझने योग्य होंगे ।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे ।
- संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा ।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकांड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तद्निहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्व को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म-दर्शन, आचार-व्यवहार, नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे ।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा ।

Programme/Class:**Certificate** कार्यक्रम /वर्ग- **सर्टिफिकेट**	Year: **First** वर्ष- **प्रथम**	Semester: I सेमेस्टर – **प्रथम**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020101T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे |**
- **वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे |**
- **उनमें काव्य में प्रयुक्त रस,छंद,अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी |**
- **पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा |**
- **विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ-साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण के कौशल में निपुण बनेंगे |**
- **संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे |**
- **संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा |**
- **स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी |**
- **स्वर,व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा |**

Programme/Class: **Certificate** कार्यक्रम /वर्ग- **सर्टिफिकेट**	Year:**First** वर्ष- **प्रथम**	Semester: **II** सेमेस्टर - **द्वितीय**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020201T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **संस्कृत गद्य साहित्य,अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- **विद्यार्थी संस्कृत गद्य साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों सुपरिचित हो सकेंगे|**
- **संबंधित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा |**
- **राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे |**
- **अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी |**
- **संस्कृत गद्य के धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन का कौशल विकसित होगा |**
- **विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।**
- **E-content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपभोग कर पाने में समर्थ होंगे ।**
- **संस्कृत भाषा और साहित्य के नित-नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्व-ज्ञान कोष में वृद्धि कर पाने योग्य होंगे ।**
- **संगणक के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार प्रसार एवं आदान-प्रदान करने में कुशल बनेंगे।**
- **पारंपरिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।**

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम /वर्ग- **डिप्लोमा**	Year: **Second** वर्ष- **द्वितीय**	Semester: **III** सेमेस्टर – **तृतीय**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020301T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- **संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे ।**
- **नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे ।**
- **नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे ।**
- **संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे ।**
- **नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी ।**
- **भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेंगे।**
- **व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।**
- **व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।**

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम /वर्ग- **डिप्लोमा**	Year: **Second** वर्ष - **द्वितीय**	Semester: **IV** सेमेस्टर - **चतुर्थ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020401T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि-**

- **विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य शास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे |**
- **छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे |**
- **संस्कृत अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे |**
- **कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा |**

- शब्द ज्ञानकोष में वृद्धि होगी |
- व्याकरण शास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा |
- विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा |
- संस्कृत पत्र लेखन कौशल में वृद्धि होगी |
- अपठित अंश के माध्यम से विषय वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा |

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: **Third** वर्ष- **तृतीय**	Semester: **V** सेमेस्टर - **पंचम**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020501T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **प्रथम प्रश्न पत्र- वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |**
- **वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा |**
- **वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा |**
- **उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा |**
- **औपनिषदिक कर्म संयम भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे |**
- **वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा |**
- **भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।**
- **दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थ बोध होगा।**
- **दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा |**

- दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे ।
- गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: **Third** वर्ष- **तृतीय**	Semester: **V** सेमेस्टर **- पंचम**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020502T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र - व्याकरण एवं भाषा विज्ञान**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।**
- **संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।**
- **भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्व से सुपरिचित होंगे।**
- **ध्वनि के प्रारंभिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।**
- **पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।**
- **संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।**

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: **Third** वर्ष- **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020601T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **प्रथम प्रश्न पत्र - आधुनिक संस्कृत साहित्य**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **आधुनिक संस्कृत-कवियों से सुपरिचित होंगे।**
- **नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।**
- **आधुनिक संस्कृत-साहित्य के बाल-साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत-शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।**
- **आधुनिक संस्कृत-साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।**
- **आधुनिक संस्कृत-साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।**

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- **तृतीय**	Semester: **six** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020602T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र- क (वैकल्पिक) - योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय योग शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।**
- **योग शास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।**
- **योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।**
- **योग के आसनों के सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।**
- **योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे**

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- **तृतीय**	Semester: **Six** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A0206003T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र-ख (वैकल्पिक) - आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।**
- **मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धांतों से सुपरिचित होंगे।**
- **वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे।**
- **अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।**

Programme/Class: Bachelor कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- **तृतीय**	Semester: **Six** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020604T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र-ग (वैकल्पिक)- भारतीय वास्तुशास्त्र**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय वास्तु शास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।**
- **भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।**
- **वास्तु शास्त्र के महत्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।**
- **वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धांतों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।**

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: Third वर्ष- **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020605T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र-घ (वैकल्पिक)- ज्योतिष शास्त्र के मूलभूत सिद्धांत**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **भारतीय प्राच्य ज्ञान के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी।**
- **भारतीय ज्योतिष शास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**
- **ज्योतिष के विभिन्न सिद्धांतों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी।**
- **पंचांग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा**

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम /वर्ग- **स्नातक डिग्री**	Year: **Third** वर्ष- **तृतीय**	Semester: **VI** सेमेस्टर - **षष्ठ**
विषय- **संस्कृत**		
प्रश्न पत्र कोड-A020606T	प्रश्न पत्र शीर्षक- **द्वितीय प्रश्न पत्र-ङ (वैकल्पिक) - नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि-

- **विद्यार्थी भारतीय पारंपरिक कर्मकांड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे ।**
- **नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।**
- **भारतीय कर्मकांड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।**
- **सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे ।**
- **आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।r**